



विनेश एक योद्धा है, मैट पर और मैट से बाहर
भी विनेश के मायथम से हम सोच रहे हैं कि
हार के बावजूद भी अपने अंदर की लड़ाई को
कभी नहीं हारा बना रहा रहता है। विनेश
फोटोट एक योद्धा की सच्ची भावना को मूर्त
रूप देती है। - अभिनव बिन्द्रा

पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता,
विनेश फोटोट की प्रशंसा की।

हॉकी में फिर से इतिहास दोहराया, भारत ने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य जीता

स्पेन को 2-1 से हराकर भारतीय हॉकी टीम ने जीता चौथा कांस्य पदक



पेरिस, 8 अगस्त। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 के प्रदर्शन को दोहराते हुए गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर इतिहास रचते हुए पेरिस ओलंपिक में देश के लिए चौथा कांस्य पदक जीता। आज यहाँ यॉकेस-ड्यू-मॉर्नर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहला बवाटर में दोनों टीमों के आक्रामक प्रदर्शन के बावजूद गोल रहीं रहा। हालांकि इस दौरान भारत ने नई बार आक्रामक तरीके से स्पेन के सर्किल में प्रवेश किया गोल करने में सफल नहीं हुये।

इसके बाद स्पेन ने दूसरे बबाटर में फिर से आक्रामक शुरूआत करते हुए केलन तीन गोल मिट्टे पेट्रोली स्ट्रेक का फायदा उठाते हुए मार्को मिरालेस ने गोल बांकर अपनी टीम को

बढ़ कर दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय कलान हरमनप्रीत ने घेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला कर 1-1 से बाबरी कर ली।

तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में गोल दाग कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़ कर दिला दी। इसकी के साथ ही टूर्नामेंट में हरमनप्रीत के गोलों की संख्या दस ही गई।

भारतीय कलान को दो मिनट बाद गोल करने का एक और मौका मिला, लेकिन वह मेनिश गोलकारप को चकमा देने में फिल रहे। चौथे बबाटर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और कई पेनल्टी कार्नर के मैके बनाये लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। मैच के दोसरा भारतीय टीम ने स्पेन पर अधिकरण समय दबाव बनाये रखा। पेरिस 2024 दोस्तीकालीन खेलों में यह भारत की चौथी पदक है, और पुरुष हॉकी में यह 13वाँ ओलंपिक

पदक है। म्यूनिख ओलंपिक 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं।

ओलंपिक में मिली इस पदक जीत के साथ ही मायथम गोलकारप पीआर श्रीजेश ने इतिहास बनाया। इसके बाद भारतीय ओलंपिक के लिए अंतिम दो गोल बांकर करने का एक और मौका मिला, लेकिन वह मेनिश गोलकारप को चकमा देने में फिल रहे। चौथे बबाटर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और कई पेनल्टी कार्नर के मैके बनाये लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। मैच के दोसरा भारतीय टीम ने स्पेन पर अधिकरण समय दबाव बनाये रखा। पेरिस 2024 दोस्तीकालीन खेलों में यह भारत की चौथी कांस्य पदक है, और पुरुष हॉकी में यह 13वाँ ओलंपिक

अंतिम पंधाल और उनकी टीम को पेरिस छोड़ने का आदेश

पेरिस, 8 अगस्त। भारतीय पहलवान अंतिम पंधाल और उनके सहयोगी स्टाफ को अनुशासनात्मक उल्लंघन के लिए पेरिस

छोड़ने का आदेश दिया गया है। अंतिम पं

अपना अधिकारिक मायन्ता कार्ड अपनी छोटी बहन को दिया गया है, जिसने सुरक्षाकर्मियों ने खेल गांव से बाहर निकलते हुए पकड़ा था। जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने कार्यावाही करते हुए उनकी पेरिस ओलंपिक 2020 में हार्दिक जीत के लिए अंतिम पंधाल का बाबर अंतिम पंधाल के लिए साथी था। जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने कार्यावाही करते हुए उनकी पेरिस ओलंपिक 2020 में हार्दिक जीत के लिए अंतिम पंधाल का बाबर अंतिम पंधाल के लिए साथी था।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

श्रीजेश आपकी सदा ही जय हो...

दुनिया के बेस्ट गोलकीपर श्रीजेश ने ओलंपिक जीत के बाद संन्यास लिया



पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीता है। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण भारतीय हॉकी टीम को 2-1 से हराकर अपनी गोल करने में यह 13वाँ ओलंपिक

पदक है। अपनी गोल करने के लिए अंतिम दो खेलों में खेल गया है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेंकियो स्टिटी 1968 में स्वर्ण, मॉन्ट्रियल 1972 में कांस्य, मॉन्ट्रियल 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य पदक है।

पुरुष हॉकी में उनका 13वाँ ओलंपिक पदक है। म्यूनिख 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। यह लगातार दूसरी बार भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो 1964 में स्वर्ण, लॉंडन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 म